पशुओं के इलाज के लिए सरकार प्रतिबद्ध : आर्य

पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय में बैठक आयोजित

जबलपुर ■ राज न्यूज नेटवर्क

प्रदेश के पशुपालन, मछुआ कल्याण एवं मत्स्य विकास, कुटीर एवं ग्रामोद्योग तथा पर्यावरण मंत्री श्री अंतर सिंह आर्य ने कहा कि राज्य सरकार पशुओं के इलाज के प्रबंधों को बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। इसके लिए सभी जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। इस परिप्रेक्ष्य में नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। आर्य नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय में आयोजित बैठक में बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री का संकल्प है कि पांच वर्षों में कृषि आय दोगुनी की जाए। इस लक्ष्य को हासिल करने में पशुपालन और मत्स्य पालन की बेहतरी की कोशिशें अहम् साबित होंगी। अतएव हम सभी को एक टीम के रूप में मिलजुल कर कार्य करना होगा। पशुपालन मंत्री ने आशा व्यक्त की कि विश्वविद्यालय एक मॉडल के रूप में कार्य करेगा तो इसका प्रभाव जमीनी स्तर पर बड़े स्वरूप में नजर आएगा। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय से संबंधित अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए शासन स्तर पर पहल की जाएगी।

विश्वविद्यालय के मिला महत्वपूर्ण योगदान

कुलपति डॉ. जुयाल ने कहा कि विवि की बेहतरी में पूर्व मंत्री डॉ. विश्नोई के अथक प्रयासों का बड़ा योगदान रहा है। आज यहां अत्यन्त महत्वपूर्ण शोध हो रहे हैं। देश के कृषि विश्वविद्यालयों में हमारा स्थान 38वां है तथा पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालयों में हम सातवें स्थान पर हैं। कुलपति ने कहा कि सरकार के साथ मिलकर हम गौ-संवर्द्धन कार्यक्रम में भी योगदान देना चाहते हैं। उन्होंने पंचगव्य की अपार संभावनाओं पर भी प्रकाश डाला। डॉ. जुयाल ने पशुपालन मंत्री श्री आर्य को विश्वविद्यालय से संबंधित अपेक्षाओं से भी अवगत कराया। बैठक में विश्वविद्यालय में किए जा रहे शोध एवं अन्य आनुशंगिक गतिविधियों पर केंद्रित डाकुमेंट्री भी प्रदर्शित की गई। इस मौके पर कुलपति डॉ. जुयाल ने विश्वविद्यालय की पंचगव्य निर्माण इकाई में निर्मित हैम्पर भी अतिथियों भेंट किया। डॉ. ओपी श्रीवास्तव ने अतिथियों का आभार माना।

महानगर

भोपाल आकर बताएं, पशुओं के इलाज की हर कमी पूरी होगी

पशुपालन मंत्री ने किया बड़े पशुओं के सुपर स्पेशियलिटी सेंटर का उद्घाटन, व्यवस्थाएं देखीं

भास्कर न्यूज | जबलपुर।

मूक प्राणियों की सेवा एक महान कार्य है, जिसे आप सब समर्पण भाव से कर रहे हैं। पशुओं के इलाज के लिए सरकार हर संभव मदद के लिए तैयार है। आप भोपाल आकर अपनी जरूरत बताएं, हम उन्हें पूरा करेंगे। बड़े पशुओं के इलाज के लिए जिन मशीनों की जरूरत है उन्हें जल्द उपलब्ध कराया जाएगा। यह बात प्रदेश के पशुपालन, मछुआ कल्याण एवं मत्स्य विभाग मंत्री अंतर सिंह आर्य ने बुधवार को नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय का निरीक्षण करने के दौरान कही। पूर्व में उन्होंने वेटरनरी हॉस्पिटल में बने बड़े पशुओं के हड्डी संबंधी रोगों के इलाज के लिए बने सुपर स्पेशियलिटी सेंटर का उद्घाटन किया। उन्होंने सेंटर में उपलब्ध चिकित्सकीय सुविधाओं की जानकारी ली तथा हर विभाग का भ्रमण किया। इस अवसर पर उन्हें बड़े पशुओं के इलाज के लिए उपयोगी मशीनों की कमी की भी जानकारी दी गई। वेटरनरी हॉस्पिटल में गतिविधियों का पावर प्रेजेंटेशन किया गया। इस अवसर पर पूर्व मंत्री डॉ. अजय विश्नोई, विधायक अशोक रोहाणी, कुलपति डॉ. पीडी जुयाल सहित वरिष्ठ चिकित्सक व छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। कुलपति ने मंत्री आर्य को विश्वविद्यालय की उपलब्धियों की जानकारी दी।

मुख्यमंत्री पशुओं के लिए भी संवेदनशील

सेंटर के उद्घाटन के दौरान पत्रकारों से चर्चा करते हुए मंत्री आर्य ने कहा कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान प्रदेश की जनता के साथ ही पशुओं के प्रति भी संवेदनशील हैं। मूक पशुओं के इलाज की व्यवस्था हर जिले में उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि यहां के अस्पताल को जिन मशीनों, उपकरणों की जरूरत होगी उसके लिए राशि का इंतजाम किया जाएगा।

अपंग गाय को मंत्री के लिए घसीटते रहे

सुपर स्पेशियलिटी सेंटर के उद्घाटन के दौरान मंत्री को अपनी गतिविधियां दिखाने के लिए अस्पताल प्रबंधन ने पैर कटी अपंग गाय को तमाशा बना दिया। इस गाय का आगे का दांया पैर कटा है जिसके लिए कृत्रिम पैर पहनाया जाता है। मंत्री को कृत्रिम पैर पहनाने के बाद गाय को चलते दिखाने के लिए कर्मचारियों ने उसे खड़ा करके सेंटर तक लाने का भरसक प्रयास किया। घसीटने, मारने के बाद भी गाय टस से मस नहीं हुई इसी बीच मंत्री के वाहनों का काफिला वहां पहुंच गया। वाहनों का शोर सुनकर गाय लंगड़ाती दूर तो हुई लेकिन मंत्री को कृत्रिम पैर पहनाने का डेमो देने की इच्छा रखने वालों को मायूसी ही हाथ लगी।

विश्वविद्यालय का किया भ्रमण

पशुपालन मंत्री ने विवि में चल रही विभिन्न गतिविधियों का भी जायजा लिया। इस अवसर पर उन्होंने तकनीकी हस्तांतरण केन्द्र, पंचगव्य उत्पाद इकाई, वन्य जीव फॉरेंसिक स्कूल का भ्रमण किया। उन्होंने विवि द्वारा तैयार की गई मुर्गियों की हाईब्रीड कड़कनाथ जबलपुर कलर व नर्मदा निधि मुर्गियों को देखा एवं सराहना की। इस अवसर पर उन्होंने कुछ पशुपालकों को मत्स्य बीज तथा नर्मदा निधि मुर्गियां प्रदान कीं। कार्यक्रम में डॉ. जीपी पांडे, डॉ. वरयो साहनी, डॉ. आरपीएस बघेल, डॉ. बीडी सरठोल, डॉ. वीपी चंद्रपुरिया, डॉ. ओपी श्रीवास्तव आदि की उपस्थिति रही। नर्मदा नाम पर मुर्गी की प्रजाति- कार्यक्रम के दौरान मुर्गी की हाईब्रीड प्रजाति का नाम नर्मदा निधि रखने पर भी उपस्थित लोगों में चर्चा होती रही। अधिकांश लोगों का कहना है कि नर्मदा आस्था प्रतीक है, उसका नाम मुर्गी की प्रजाति से जोड़ना जिसका व्यावसायिक और मांसाहार में उपयोग होना हो उचित नहीं है। विवि प्रबंधन का कहना है कि उन्होंने जबलपुर को पहचान दिलाने के उद्देश से इस प्रजाति को नर्मदा निधि नाम दिया है।

बिना संसाधन शुरू हुआ सुपर स्पेशिलिटी हॉस्पिटल

दबंग रिपोर्टर ■ जबलपुर

नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय के अंतर्गत पशुओं के फ्रैक्चर के इलाज के लिए नवनिर्मित सुपर स्पेशिलिटी हॉस्पिटल भवन का लोकार्पण बुधवार को प्रदेश के पशुपालन मंत्री अतर सिंह आर्य ने किया। इस अवसर पर पूर्व मंत्री डॉ. अजय विश्नोई, विधायक अशोक रोहाणी उपस्थित थे। इस मौके पर श्री आर्य ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा वर्ष 2022 तक पशुपालकों की आय दोगुनी करने का लक्ष्य रखा गया है, जिसे पूरा करने में सभी के योगदान की आवश्यकता है। इस अवसर पर कुलपति डॉ. प्रयागदत्त जुयाल ने कहा कि नानाजी देशमुख विश्वविद्यालय देश में 38वें स्थान पर है। इस विश्वविद्यालय से जुड़े जबलपुर, रीवा एवं महू स्थित तीनों महाविद्यालयों को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली तथा भारतीय पशु चिकित्सा परिषद से मान्यता प्राप्त हो चुकी है।

निरीक्षण के दौरान सराहना

मंत्री श्री आर्य ने अस्पताल के निरीक्षण के दौरान व्यवस्थाओं का जायजा भी लिया। उन्होंने मत्स्य बीज व नर्मदा निधि मुर्गियों का वितरण पशुपालकों को किया। श्री आर्य ने कड़कनाथ जबलपुर कलर, नर्मदा निधि मुर्गियों को देखकर सराहना की। साथ ही तकनीकी हस्तांतरण केन्द्र, पंचगव्य उत्पादन इकाई व वन्य जीव फॉरेन्सिक स्कूल का भ्रमण भी किया।

भवन के अलावा सब पुराना

विश्वविद्यालय ने इसे सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल का स्वरूप बताया है, लेकिन वास्तविकता यह है कि यहां पर भवन के अलावा सब कुछ पुराना ही है। जानकार बताते हैं कि काफी दिनों से बने इस भवन के लोकार्पण के लिए मुख्य अतिथि का इंतजार किया जा रहा था। पहले प्रमुख सचिव स्तर के अधिकारी से लोकार्पण कराने की मंशा थी, लेकिन आरएसएस की बैठक में शामिल होने आए विभागीय मंत्री से इसके उद्घाटन कराने की योजना बना ली गई। नए भवन में पुरानी मशीनों व अन्य संसाधनों से होने वाले इलाज से पशुओं को कितना लाभ होगा, इस बात की चर्चा भी आयोजन में बनी रही।

बड़े पशुओं का आसानी से हो सकेगा उपचार

महाकोशल का पहला वेटरनरी सुपर स्पेशियेलिटी अस्पताल शुरू

पशु पालन मंत्री ने किया उद्घाटन, तीन माह से था पर्दे के पीछे

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

जबलपुर मूक पशुओं को अब सुपर स्पेशियेलिटी अस्पताल की सुविधा मिलेगी। यहां बड़े पशुओं का भी आसानी से उपचार किया जा सकेगा। महाकोशल क्षेत्र के पहले आधुनिक अस्पताल का शुभारंभ बुधवार को पशु पालन मंत्री अंतर सिंह आर्य ने किया। आर्य ने कहा कि यहां की आधुनिक सुविधाओं का प्रचार जिलेस्तर पर किया जाएगा। इस दौरान उन्होंने मत्स्य बीज व नर्मद निधि मुर्गियां पशुपालकों को प्रदान कीं।

अस्पताल का किया निरीक्षण

आर्य ने अस्पताल का निरीक्षण किया। उनके साथ पूर्व मंत्री अजय विश्नोई, विधायक अशोक रोहाणी भी थे। कुलपति डॉ. पीडी जुयाल, डॉ.आरपीएस बघेल, डॉ. वीपी चंद्रपुरिया ने एक्सरे मशीन, कलर डॉपलर, सीटी स्केन आदि मशीनों की कार्यप्रणाली और

इलाज की पद्धति से अवगत कराया। इस दौरान उन्होंने कर्मचारियों के आवास के लिए भूमिपूजन किया। मत्स्य कॉलेज के छात्रों ने भर्ती का कोटा बढ़ाने, फिसरी निरीक्षक के लिए योग्यता चार वर्ष करने की मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा।

मंत्री के आने तक पकड़ रहे गाय

मंत्री के आगमन के दौरान एक गाय को पकड़कर रखा गया था। उसे कृत्रिम पैर लगाया जाना था। इस बीच धूप में गाय ने उछलकूद की। जिसे पकड़ने में कर्मचारियों को पसीना छूट गया।

सभी कमियां होंगी दूर

अस्पताल में बड़े जानवरों के लिए कुछ बड़ी एक्सरे मशीनों की आवश्यकता के सवाल पर मंत्री आर्य ने कहा कि जो संभव मदद होगी वह की जाएगी। हर जिले में इस तरह के अस्पताल खोले जाएंगे। पूर्व मंत्री विश्नोई ने भी अस्पताल की आवश्यकताओं के बारे में अवगत कराया। कार्यक्रम के दौरान डॉ.वायपी साहनी,डॉ.ओपी श्रीवास्तव, डॉ.अपरा शाही आदि उपस्थित थे।

पत्रिका Thu, 24 August 2017
epaper.patrika.com//c/21589080

मंत्री ने मुर्गी को हाथ में लेकर पूछा..क्या ये देसी नस्ल की है

पशुपालन मंत्री ने वेटनरी विवि में सुपरस्पेशियलिटी अस्पताल का किया लोकार्पण

जबलपुर। नईदुनिया प्रतिनिधि

ये देशी मुर्गी है या आपने क्रास ब्रीडिंग से इसे तैयार किया है। बुधवार को यह सवाल पशुपालन मंत्री अंतर सिंह आर्य ने नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय में पूछा। तब डॉ. भारद्वाज ने बताया कि यह नर्मदा मुर्गी है, जो विश्वविद्यालय में बनाई गई है। ये देशी मुर्गी से 3 गुना ज्यादा अंडे देती है। यह जवाब पाकर मंत्री खुश हो गए। श्री आर्य ने यहां सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल का लोकार्पण किया। मंत्री ने पशुपालकों से कहा कि विश्वविद्यालय से उन्नत किस्म का पशुधन दिया जा रहा है। उसकी देखरेख सावधानी से की जाए तो उनके आर्थिक उन्नति के द्वार खुल जाएंगे। इस दौरान पूर्व मंत्री अजय विश्नोई, कैंट विधायक अशोक रोहाणी भी मौजूद रहे। सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल का जायजा लेने के दौरान ही मंत्री अंतरसिंह ने यहां अत्याधुनिक मशीनें लगाने की बात कही। उन्होंने पशुपालकों को मत्स्य बीज, नर्मदा निधि मुर्गियां दीं। साथ ही कड़कनाथ जबलपुर कलर, नर्मदा मुर्गी, तकनीकी हस्तांतरण केन्द्र, पंचगव्य उत्पाद इकाई, वन्य जीव फॉरेंसिक स्कूल का निरीक्षण किया।

जबलपुर 38वें नंबर पर

कार्यक्रम में वेटनरी कुलपति डॉ. प्रयाग दत्त जुयाल ने कहा कि नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय देश में 38वें नंबर पर है। जबलपुर, महू, रीवा महाविद्यालयों के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली और भारतीय पशुचिकित्सा परिषद से मान्यता मिल चुकी है। इस दौरान डॉ. जीपी पांडे, डॉ. वायपी साहनी, डॉ. आरपीएस बघेल, डॉ. बीसी सरखेल, डॉ. व्हीपी चन्द्रपुरिया, डॉ. ओपी श्रीवास्तव, डॉ. जेके भारद्वाज, डॉ. एनके जैन, डॉ. आरके शर्मा, डॉ. मधु स्वामी, डॉ. वर्षा शर्मा, डॉ. पीसी शुक्ला, डॉ. जी दास, डॉ. एचएस सिंह, डॉ. आदित्य मिश्रा मौजूद रहे।

वेटनरी यूनिवर्सिटी में मुर्गी हाथ में लेकर नस्ल की जानकारी लेते पशुपालन मंत्री आर्य।

अब हाथी और ऊंट की टूटी हड्डियां भी जुड़ जाएंगी

प्रदेश का पहला सुपरस्पेशियलिटी वेटनरी अस्पताल बना

- अब यदि हाथी, ऊंट, घोड़े की हड्डी टूटी तो उनका इलाज अब वेटनरी कॉलेज में बने सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल में संभव हो सकेगा। यह प्रदेश का पहला सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल है।

वेटनरी यूनिवर्सिटी में तैयार किया गया प्रदेश का पहला सुपरस्पेशियलिटी अस्पताल।

सामान्य वेटनरी अस्पताल में ये हैं सुविधाएं

- सामान्य वेटनरी अस्पताल में छोटे पशुओं का इलाज होता है।
- वेटनरी अस्पताल में जो एक्सरे, सोनोग्राफी मशीनें हैं। उनमें केवल छोटे पशुओं की जांच संभव है।

कितना फंड

- सुपरस्पेशलिटी वेटनरी अस्पताल के लिए 5 करोड़ का फंड मिला था। अभी तक 2 करोड़ फंड मिला है।

सुपरस्पेशियलिटी में ये संभव है

- सुपर स्पेशियलिटी वेटनरी अस्पताल में घोड़े, ऊंट, हाथी और अन्य बड़े जानवरों का एक्सरे, सोनोग्राफी, सीटी स्कैन संभव है।
- सुपर स्पेशियलिटी वेटनरी अस्पताल में बड़े जानवरों की सर्जरी, अस्थि रोगों का इलाज संभव होगा।

सुपरस्पेशियलिटी प्रदेश का पहला वेटनरी अस्पताल बना है। इसमें ऊंट, हाथी और बड़े जानवरों का इलाज संभव हो सकेगा।

डॉ. एबी श्रीवास्तव,
रिटायर प्रोफेसर, वेटनरी कॉलेज

Minister Arya dedicates newly-constructed Super Specialty Centre in ceremony

Minister Animal Husbandry and Environment Minister Antar Singh Arya accompanied by former Minister, Ajay Vishnoi, MLA Ashok Rohani at public dedication ceremony of Super Specialty Centre at Veterinary University, on Wednesday.

■ Staff Reporter

STATE Animal Husbandry, Fisherman Welfare and Fisheries Development, Cottage and Gram Udyog and Environment Minister, Antar Singh Arya dedicated the newly-constructed Super Specialty Centre new building in a ceremony on Wednesday.

MLA Ashok Rohani, former Minister, Ajay Vishnoi were especially present. Nanaji Deshmukh Veterinary Science and Animal Husbandary University, Vice Vice Chancellor, Professor Prayag Dutt Juyal was especially present on this occasion.

During the public dedication ceremony Minister Arya inspected the newly constructed specialty centre and taken account of facilities to be provided at this centre. He inspected operation theater, computerized tomography, xray room, orthopedic workshop, color droppler, color dropler ultra sound room, computorized radiography unit and sterilisation room. He expressed the ongoing progress and development being made for better veterinary facilities in the city.

Director Specialty Centre, Dr. VP Chanpuria informed that for better treatment facilities soon some advance machines would be equipped at the centre. He also apprised about present veterinary services being given at hospital.

Minister during the inspection informed that the government is very serious about treatment of animals and to increase more facilities in coming months.

Vice Chancellor, Dr. Prayag Dutt Juyal apprised the Minister about animals treatment management system adopted by the University and also suggestions are being invited from farmers. Then on the basis of feed back response future course of action is taken.

Thereafter, Minister inspected the technology transfer centre and Panchgavya production centre and wildlife forensic science centre and gathered information about different research and development works.